

ब्रांडिंग व गुणवत्ता सुधार से भारत बनेगा फ्रूट बास्केट : शिवराज

लखनऊ में फ्रूट होराइजन 2026 के तहत केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदेश के निर्यातकों से किया संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि फलों के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर की समस्याओं को समझकर उनका समाधान करना आवश्यक है। देश में फल उत्पादन बेहतर हो रहा है, लेकिन अब लक्ष्य प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और निर्यात को मजबूत कर भारत को वैश्विक फ्रूट बास्केट बनाना है। शिवराज बुधवार को लखनऊ के एक होटल में प्रगतिशील निर्यातकों, उद्यमियों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों की एक विशेष टीम गठित की गई है, जो शोध और नवाचार के माध्यम से उत्पादन और गुणवत्ता सुधार पर काम करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नीतिगत बदलावों में समय लगता है, लेकिन सरकार सही दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

बैठक में बाजार विस्तार, नए निर्यात गंतव्यों



किसानों से संवाद करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान व उद्यान मंत्री दिनेश सिंह। -विभाग

की तलाश, ब्रांडिंग और कृषि उत्पादों के बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा हुई। साथ ही, फल क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहन देने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

निर्यात बढ़ाने की जरूरत

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि फलों के उत्पादन के साथ उनकी गुणवत्ता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से लखनऊ में 'फ्रूट होराइजन 2026' का दो दिवसीय आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आम, अंगूर, केला और लीची के उत्पादन में अग्रणी है, फिर भी निर्यात कम है। इसे बढ़ाने से किसानों की आय, विदेशी मुद्रा और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

आज रहमानखेड़ा में रहेंगे

शिवराज बृहस्पतिवार को आईसीएआर के केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा में किसानों, पौधशाला संचालकों और प्रसंस्करण क्षेत्र के हितधारकों से संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्य सत्र में मंत्री सूर्य प्रताप शाही और दिनेश प्रताप सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम में गुणवत्ता, निर्यात, वैल्यू एडिशन, जीरो रिजेक्शन और एफपीओ-एफपीसी की भूमिका पर चर्चा होगी, जिससे फल क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।